www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 258 | जौनपुर शुक्रवार, 08 मई 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

पटना में ट्रैफिक में बदलाव और सुरक्षा के कड़े इंतजाम

पटना, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली बिहार कैबिनेट का विस्तार गुरुवार को पटना के गांधी मैदान में होने जा रहा है। कार्यक्रम को देखते हुए पटना में ट्रैफिक व्यवस्था में बड़े बदलाव किए गए हैं और कई प्रमुख मार्गों पर सख्त पाबंदियां लगाई गई हैं। शपथ ग्रहण समारोह दोपहर 12:10 बजे आयोजित होगा, जिसमें राज्यपाल नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। बिहार की राजनीति में यह कैबिनेट विस्तार काफी अहम माना जा रहा है। यह बदलाव उस सत्ता परिवर्तन के बाद हो रहा है, जब नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री का पद छोड़ा और वरिष्ठ भाजपा नेता सम्राट चौधरी सीएम बने। सम्राट चौधरी ने 14 अप्रैल को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।इस बीच, अटकलें लगाई जा रही हैं कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को भी कैबिनेट में जगह मिल सकती है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पहले ही पटना पहुंच चुके हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी इस शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने वाले हैं। कैबिनेट विस्तार से पहले राज्य नेतृत्व और केंद्र के एनडीए नेतृत्व के बीच कई दौर की बैठकें हुईं। इसमें भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ चर्चा भी शामिल रही। गृह मंत्री अमित शाह के साथ हुई अहम बैठक को मंत्रियों की अंतिम सूची तय करने में निर्णायक माना जा रहा है।इसके अलावा एनडीए सहयोगियों जैसे राजीव रंजन सिंह, जीतन राम मांझी और चिराग पासवान के साथ भी बातचीत की गई, ताकि गठबंधन में संतुलन और तालमेल बना रहे।

सीएम भगवंत मान की सरकार में पंजाब की कानून-व्यवस्था कमजोर हुई : राजीव रंजन

पटना, (एजेंसी)। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने पंजाब में हालिया धमाकों, पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति, कांग्रेस नेता राहुल गांधी की प्रतिक्रिया और बिहार कैबिनेट के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर विस्तार से अपनी राय व्यक्त की है। सरकारी नीतियां समझाना राजीव रंजन ने पंजाब में हुए धमाकों पर कहा कि प्रथम दृष्टया यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा प्रतीत होता है, क्योंकि घटनाएं सेना के कंटोनमेंट क्षेत्र और बीएसएफ कार्यालय के आसपास हुई हैं।उन्होंने बताया कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच कर रही है तथा कुछ नकाबपोश लोगों के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। रंजन ने आरोप लगाया कि भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार में राज्य की कानून–व्यवस्था कमजोर हुई है, जो एक संवेदनशील सीमावर्ती राज्य पंजाब के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच होनी चाहिए। ममता बनर्जी द्वारा मुख्यमंत्री पद न छोड़ने और शशेर की तरह लड़नेश वाले बयान को राजीव रंजन ने एक हताश और पराजित नेता की प्रतिक्रिया बताया।

पीएम मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली वर्षगांठ पर वीर सैनिकों को किया सलाम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली वर्षगांठ पर वीर सैनिकों के अद्भुत पराक्रम और देशभक्ति को सलाम किया है। उन्होंने कहा कि एक साल बाद भी आतंकवाद को हराने और उसे पनपने में मदद करने वाले पूरे तंत्र को नेस्तनाबूद करने के अपने संकल्प पर हम पहले की तरह ही अडिग हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "एक साल पहले 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हमारी सेनाओं ने अद्वितीय साहस, सटीकता और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया था। उन्होंने पहलगाम में निर्दोष भारतीयों पर हमला करने का दुस्साहस करने वालों को करारा जवाब दिया।

पूरा राष्ट्र हमारे वीर जवानों के शौर्य को सलाम करता है।" उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ प्रतिक्रिया और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के प्रति उसके अटूट संकल्प को दर्शाया। इसने हमारी सेनाओं की पेशेवर क्षमता, तत्परता और समन्वित शक्ति को भी उजागर किया। साथ ही, इसने हमारी सेनाओं के बीच बढ़ते आपसी तालमेल को भी प्रदर्शित किया और यह भी रेखांकित किया कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की भारत की मुहिम ने हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को कितनी मजबूती प्रदान की है। अपने 'एक्स' पोस्ट में पीएम मोदी ने आगे लिखा, "आज, एक साल बाद भी, आतंकवाद को हराने और उसे पनपने में मदद करने वाले पूरे तंत्र को नेस्तनाबूद करने के अपने संकल्प पर हम पहले की तरह ही अडिग हैं।" प्रधानमंत्री मोदी ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, "ऑपरेशन सिंदूर में भारत को मिली असाधारण विजय हमारे वीर सैनिकों के अद्भुत पराक्रम और देशभक्ति की प्रेरक मिसाल है। उनके अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और कर्तव्यनिष्ठा पर हर देशवासी को गर्व है। जिस सेना में योद्धा उत्साही और उच्च मनोबल वाले हों तथा जिनके पास युद्ध के उत्तम साधन हों, निश्चय ही विजय उन्हीं की होती है।" ज्ञात हो कि भारतीय सेना ने पहलगाम में हुए।

भारत और वियतनाम के वित्त मंत्रियों के बीच हुई अहम बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को भारत और वियतनाम के बीच आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस दौरान, दोनों देशों के वित्त मंत्रियों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था, बदलते भू–राजनीतिक हालात और भविष्य में सहयोग के नए रास्तों पर विस्तार से चर्चा की। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वियतनाम के वित्त मंत्री न्गो वान तुआन से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस बैठक में दोनों देशों के बीच 10 साल पूरे कर चुके व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। मंत्रालय ने बताया कि बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने वैश्विक अर्थव्यवस्था और मौजूदा भू–राजनीतिक चुनौतियों पर अपने विचार साझा किए। साथ ही, आर्थिक स्थिरता और मजबूती बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने के तरीकों पर चर्चा की गई। वियतनाम ने खास तौर पर टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, ऊर्जा और फार्मा सेक्टर में भारत के साथ सहयोग बढ़ाने में गहरी रुचि दिखाई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वियतनाम की मजबूत आर्थिक नीतियों और सुधारों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन सुधारों के चलते वियतनाम की वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ी है और वह ग्लोबल वैल्यू चेन में बेहतर तरीके से जुड़ रहा है।

'ऑपरेशन सिंदूर' की वर्षगांठ पर राजनाथ सिंह का सेना को सलाम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की वर्षगांठ पर भारतीय सशस्त्र बलों के शौर्य को याद किया है। उन्होंने कहा कि सेना के साहस और समर्पण ने देश की सुरक्षा को मजबूत बनाए रखा है। 'ऑपरेशन सिंदूर' राष्ट्रीय संकल्प और तत्परता का एक सशक्त प्रतीक है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा,"ऑपरेशन सिंदूर' की वर्षगांठ पर हम अपने सशस्त्र बलों की वीरता को सलाम करते हैं, जिनका साहस और समर्पण राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित करता आ रहा है। इस ऑपरेशन के दौरान भारतीय सेनाओं ने अद्वितीय सटीकता, बेहतरीन समन्वय और तीनों सेनाओं के बीच गहरी तालमेल का प्रदर्शन किया, जिसने आधुनिक सैन्य अभियानों के लिए एक नया मानक स्थापित किया।" उन्होंने आगे लिखा, "ऑपरेशन सिंदूर' राष्ट्रीय संकल्प और तत्परता का एक सशक्त प्रतीक है। यह दर्शाता है कि जब भी देश के लिए सबसे महत्वपूर्ण घड़ी आती है, तो हमारे सशस्त्र बल निर्णायक कार्रवाई करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।" रक्षा मंत्री ने कहा कि यह अभियान भारत के 'आत्मनिर्भरता' की दिशा में लगातार बढ़ते कदमों का भी प्रमाण है।

जनगणना केवल हेड काउंट नहीं, यह समग्र और समावेशी विकास का आधार : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को प्रदेश में जनगणना–2027 के प्रथम चरण का औपचारिक शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने 'हमारी जनगणना, हमारा विकास' की भावना के साथ मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना भर नहीं है, बल्कि समग्र, समावेशी और सुनियोजित विकास का सशक्त आधार है। आज का युग डेटा आधारित निर्णयों का है और जनगणना से प्राप्त सटीक आंकड़े आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा तथा विभिन्न

जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि जनगणना यह सुनिश्चित करने का माध्यम है कि विकास की धारा में समाज का अंतिम व्यक्ति भी समान रूप से सहभागी बन सके। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में पहली बार डिजिटल जनगणना कराई जा रही है। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना से संबंधित कार्य संपादित होंगे। आमजन को 07 मई से 21 मई, 2026 तक स्वगणना का विकल्प उपलब्ध कराया गया है, जिसके माध्यम से नागरिक स्वयं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इसके उपरांत फील्ड कार्य के अंतर्गत जनगणना कार्मिक घर–घर जाकर सूचीकरण का कार्य करेंगे। द्वितीय चरण में प्रत्येक व्यक्ति की गणना की जाएगी। इस बार जनगणना में जातीय गणना को भी सम्मिलित किया गया है। साथ ही पहली बार वन ग्रामों को भी जनगणना प्रक्रिया में शामिल किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में रियल टाइम डेटा अत्यंत आवश्यक है। डिजिटल तकनीक के उपयोग से जनगणना प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और त्वरित बनाया गया है। इसके लिए एक विशेष जनगणना पोर्टल विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से ग्राम एवं वार्ड स्तर तक कार्यों की सतत निगरानी सुनिश्चित की जा सकेगी।

ऑपरेशन सिंदूर का स्पष्ट संदेश, आतंकियों का कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं

नई दिल्ली , (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य अभियान नहीं था, बल्कि संभवत भारत की सामरिक यात्रा का एक निर्णायक क्षण था। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर यह संदेश दिया है। सेना के मुताबिक इस अभियान को भारत ने बेहद सोच–समझकर और स्पष्ट रणनीतिक दृष्टि के साथ शुरू किया। नियंत्रण रेखा तथा पाकिस्तान के साथ लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार मौजूद आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाया। भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने बताया कि हमलें का समय पूरी तरह सटीक था, ऑपरेशन सिंदूर ने पूर्ण आश्चर्य उत्पन्न किया और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर तथा पाकिस्तान के भीतर स्थापित आतंकवादी ठिकानों को भारी क्षति पहुंचाई। इस ऑपरेशन से यह स्पष्ट संदेश गया कि अब आतंकियों का कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं बचा है। इसके साथ ही पाकिस्तान द्वारा भारत के सैन्य ढांचे और ठिकानों को निशाना बनाने के सभी प्रयास एक सुविचारित और मजबूत वायु रक्षा संरचना के कारण विफल हो गए। भारत ने अत्यंत कम समय में एक जटिल बहु–आयामी अभियान की योजना बनाई, उसे क्रियान्वित किया और सफलतापूर्वक पूरा भी किया। इस पूरे अभियान ने भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमता को भी प्रदर्शित किया। इस्तेमाल किए गए हथियार प्रणालियों, गोला–बारूद, रॉकेट, मिसाइलों, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों का बड़ा हिस्सा भारत में विकसित और निर्मित था। ब्रह्मोस, आकाश, उन्नत निगरानी एवं लक्ष्यीकरण प्रणालियों के साथ स्वदेशी गोला–बारूद और स्पेयर पार्ट्स ने इस अभियान में निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर तीनों सेनाओं का संयुक्त अभियान था। इसमें थल, वायु और समुद्री क्षमताओं का एकीकृत उपयोग किया गया। इसमें साझा परिस्थितिजन्य जागरूकता, सामान्य परिचालन एवं खुफिया तस्वीर तथा वास्तविक समय में निर्णय लेने की क्षमता शामिल थी। कुल नौ स्टैंडऑफ प्रिसीजन स्ट्राइक की गईं, जिनमें सात भारतीय सेना और दो भारतीय वायु सेना द्वारा अंजाम दी गईं।

सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा भोपाल से रवाना, सीएम मोहन यादव ने दिखाई हरी झंडी

भोपाल, (एजेंसी)। भोपाल से गुरुवार को श्सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा 2026श की शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से इस विशेष तीर्थ यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान स्टेशन पर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। महिलाएं भजन गाते और नाचते हुए ट्रेन में सवार हुईं और पूरे माहौल में धार्मिक आस्था का रंग दिखाई दिया। यह यात्रा सिर्फ एक धार्मिक दौरा नहीं, बल्कि आस्था, सांस्कृतिक विरासत और भारतीय परंपरा से जुड़ी एक खास पहल है। पहली बार मध्यप्रदेश से रेल मार्ग के जरिए इस तरह की विशेष यात्रा शुरू की गई है, जिसमें प्रदेश के अलग–अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस मौके पर कहा कि सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले हेली सेवा शुरू की गई थी और अब रेल के माध्यम से तीर्थ यात्राओं को आसान बनाया जा रहा है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग धार्मिक स्थलों तक सुविधाजनक तरीके से पहुंच सकें। मुख्यमंत्री ने सोमनाथ मंदिर को सनातन संस्कृति, राष्ट्रीय स्वाभिमान और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर सिर्फ एक मंदिर नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता के संघर्ष और पुनर्जागरण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि एक हजार साल पहले महमूद गजनवी ने सोमनाथ मंदिर पर भीषण आक्रमण किया था। यह मंदिर आज भी देश के करोड़ों लोगों के लिए आस्था का केंद्र बना हुआ है।

सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा पर पीड़ित ने लाइसेंस के नाम पर लाखों रुपये लेने का आरोप, सहायक आयुक्त ने बताया निराधार

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग में तैनात सहायक आयुक्त खाद्य मानिक चंद्र सिंह पर एक व्यापारी द्वारा भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग के गंभीर आरोप लगाए जाने के बाद प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। व्यापारी का सीधा आरोप है कि उससे लाइसेंस के नाम पर साल दर साल अवैध धन की वसूली की गई और विरोध करने पर विभाग ने हेराफेरी कर उसका लाइसेंस ही किसी दूसरे के नाम हस्तांतरित कर दिया। पीड़ित सैयद सदरुद्दीन ने इस पूरे मामले की लिखित शिकायत आयुक्त के समक्ष दर्ज कराई है। पीड़ित व्यापारी का आरोप है कि वर्ष 2023 से लाइसेंस प्रक्रिया के नाम पर उनसे लगातार एक लाख रुपये की डिमांड की जाती रही। फरवरी 2026 में उन्हें अल नूर फ्रेश फूड का लाइसेंस मिला, लेकिन आरोप है कि कुछ ही समय बाद उनकी आईडी और पासवर्ड बदलकर वही लाइसेंस किसी दूसरे व्यक्ति को थमा दिया गया। व्यापारी का दावा है कि जब उन्होंने कार्यालय जाकर पूछताछ की, तो उन्हें नया लाइसेंस बनाने के एवज में ढाई लाख रुपये की और मांग की गई। इसी प्रताड़ना से तंग आकर पीड़ित ने आयुक्त का दरवाजा खटखटाया है।इन सनसनीखेज आरोपों पर पलटवार करते हुए सहायक आयुक्त खाद्य मानिक चंद्र सिंह ने विभागीय दस्तावेजों और ठोस साक्ष्यों के साथ अपना पक्ष रखा है। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि शिकायतकर्ता पहले पार्टनरशिप में कार्य कर रहा था और पूर्व में लेनदेन को लेकर इनका आपसी समझौता हुआ था।सहायक आयुक्त खाद्य मानिक चंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री जी की शून्य टॉलरेंस नीति का हवाला देते हुए बताया कि उनका विभाग भ्रष्टाचार मुक्त शासन के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति अकेला लाइसेंस धारक होता है और गलत पाया जाता है, तो उसका लाइसेंस तत्काल रद्द किया जा सकता है, लेकिन पार्टनरशिप में चल रहे कार्यों में नियम अलग होते हैं।उन्होंने तर्क दिया कि पार्टनरशिप में एक पक्ष की गलती या विवाद के कारण दूसरे निर्दोष पार्टनर को सजा नहीं दी जा सकती और न ही उसका हक छीना जा सकता है। इसी नियमावली के तहत विभाग ने निष्पक्ष कार्रवाई की है।उन्होंने यह भी बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जब आयुक्त कार्यालय में पक्ष रखने का समय आया, तो विभाग की ओर से वे स्वयं साक्ष्यों के साथ मौजूद रहे, लेकिन शिकायतकर्ता सैयद सदरुद्दीन अपना पक्ष रखने के लिए आयुक्त के सामने पेश ही नहीं हुआ।मानिक चंद्र सिंह ने उन पर लगे लाखों रुपये की मांग के आरोपों को पूरी तरह निराधार बताते हुए कहा कि विभाग की पूरी प्रणाली डिजिटल है, जिसमें किसी भी प्रकार का मानवीय हस्तक्षेप संभव नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लाइसेंस में जो भी संशोधन किए गए वे प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों और विधिक दस्तावेजों के आधार पर नियमानुसार किए गए हैं।

महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार का राज्यसभा से इस्तीफा,

नई दिल्ली, (एजेंसी)। महाराष्ट्र की उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने राज्यसभा सीट से इस्तीफा दे दिया है। पार्लियामेंट बुलेटिन के मुताबिक, उनका इस्तीफा स्वीकार भी कर लिया गया है। उपराष्ट्रपति की तरफ से ही इसकी पुष्टि की गई है। सुनेत्रा पवार ने उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की। इस दौरान पार्थ पवार भी मौजूद थे। पार्लियामेंट बुलेटिन के मुताबिक, महाराष्ट्र राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाली निर्वाचित राज्यसभा सदस्य सुनेत्रा अजित पवार ने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। राज्यसभा के अध्यक्ष ने बुधवार को उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया। वहीं, उपराष्ट्रपति के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर लिखा गया कि महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार ने बुधवार को उपराष्ट्रपति भवन में भारत के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और राज्यसभा सांसद पद से अपना इस्तीफा सौंप दिया। उनका इस्तीफा राज्यसभा अध्यक्ष द्वारा 6 मई से प्रभावी रूप से स्वीकार कर लिया गया है। आगे बताया गया कि राज्यसभा अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने राष्ट्र की सेवा जारी रखने और महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री के रूप में उनकी सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। बता दें कि सुनेत्रा पवार ने पति अजित पवार के देहांत के बाद रिक्त हुई सीट, बारामती सीट, से विधानसभा उपचुनाव में रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल की है। चुनाव में कुल 23 उम्मीदवार मैदान में थे, लेकिन किसी भी प्रतिद्वंद्वी के वोट का आंकड़ा 1,000 पार नहीं हो सका।

संपादकीय

भारत उदय के कथानक को फिर झटका

प्रगति का एकमात्र सार्थक पैमाना लोगों के जीवन स्तर में सुधार है। साफ हवा, पानी, पर्याप्त भोजन, वस्त्र, आवास, शिक्षा और चिकित्सा मुहैया कराने के लिहाज से अर्थव्यवस्था का आकार महत्त्वपूर्ण है, लेकिन यह निर्णायक पहलू नहीं है। सकल घरेलू उत्पाद के लिहाज से भारत उदय के कथानक को फिर झटका लगा है। चौथे स्थान पर पहुंचने के बाद भारत अब फिसल कर छठे नंबर पर जा गिरा है। जब भारत ने जीडीपी मापने की नई शृंखला अपनाई, तो उसके तहत हुई गणना में वह जापान से पिछड़ कर पांचवें नंबर पर दर्ज हुआ। अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के 2025 के आंकड़ों के मुताबिक वह ब्रिटेन से भी नीचे हो गया है। ऐसा रुपये की कीमत में भारी गिरावट के कारण हुआ है। जीडीपी का आकलन देशों की अपनी मुद्रा में होता है। फिर तत्कालीन विनिमय दर के आधार पर अमेरिकी डॉलर में उसका मूल्य आंका जाता है। 2024 के अंत में एक डॉलर की कीमत 84.6 रुपये थी, जो 2025 के अंत में 88.5 रुपये हो गई। इस तरह डॉलर में भारत के जीडीपी का मूल्य घट गया। ताजा आंकड़ों के मुताबिक 2025 के अंत में भारत की जीडीपी 3.92 ट्रिलियन डॉलर थी, जबकि ब्रिटेन की चार ट्रिलियन और जापान की 4.44 ट्रिलियन डॉलर थी। तीसरे नंबर स्थित जर्मनी की अर्थव्यवस्था 4.7 ट्रिलियन रही, जबकि 19. 6 ट्रिलियन के साथ चीन दूसरे और 30.8 ट्रिलियन डॉलर के साथ अमेरिका पहले नंबर पर रहा। डॉलर की आज की कीमत पर गणना की जाए, तो भारत के जीडीपी का मूल्य संभवत और भी कम होगा। यानी पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने और तीसरे नंबर पर पहुंचने की दौड़ फिलहाल उलटी दिशा में मुड़ गई है। बहरहाल, ये दौड़ बेमतलब है। ऐसे आंकड़ों के आधार पर बनाए गए कथानक असल में अर्थव्यवस्था की मूलभूत कमियों पर परदा डालने के लिए तैयार किए गए हैं। आर्थिक प्रगति का एकमात्र सार्थक पैमाना लोगों के जीवन स्तर में सुधार ही हो सकता है। लोगों को साफ हवा, पानी, पर्याप्त भोजन, वस्त्र, आवास, शिक्षा और चिकित्सा मुहैया कराने के लिहाज से अर्थव्यवस्था का आकार महत्त्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन यह निर्णायक पहलू नहीं है। असल में प्रति व्यक्ति जीडीपी का पैमाना भी नाकाफी है, क्योंकि इस औसत में आर्थिक विषमता की वास्तविक स्थिति की झलक नहीं मिलती। वैसे इस कसौटी पर भारत दुनिया 140वें नंबर पर है।

बंगाल में मनोविकृति के लक्षण सड़क पर

सर्वमित्रा सुरजन इसी बदलाव और ऐसे ही भविष्य के लिए प.बंगाल में भाजपा सत्ता में आई है। कुछ अति चालाक लोग मासूम तर्क दे रहे हैं कि 2011 में जब ममता बनर्जी ने वामपंथी सरकार का शासन बंगाल से खत्म किया था, तब टीएमसी के कार्यकर्ताओं ने भी ऐसी ही हिंसा की थी। वामपंथी भी अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए हिंसक तरीकों का सहारा लेते थे। लेकिन क्या ऐसे तर्कों से आज की हिंसा को जायज ठहराया जा सकता है। प. बंगाल में श्बीजेपी का श्परिवर्तनश निर्दोषों के खून से लिखा जा रहा है।श यह गंभीर आरोप तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा पर लगाया है। दरअसल चार मई को जैसे–जैसे भाजपा के पक्ष में नतीजे आते गए और यह तय होने लगा कि अब प.बंगाल से तृणमूल कांग्रेस की सत्ता जा रही है, ममता बनर्जी का शासन खत्म हो रहा है, भाजपा समर्थकों का उत्साह बढ़ने लगा। इसमें कुछ गलत भी नहीं है, क्योंकि भाजपा ने इस दिन के लिए 15 साल लंबा इंतजार भी किया है। पिछले दो बार के चुनावों में भी नरेन्द्र मोदी और अमित शाह ने कई–कई दिन तक सभाएं कीं, अपने तमाम दिग्गज नेताओं को चुनाव प्रचार में उतारा, फिर भी सफलता हाथ नहीं आई। इस बार भी सब तरह के तरीके भाजपा ने आजमाए और आखिर में जब वो विजेता घोषित हुई तो उसके समर्थकों की खुशी जायज है। लेकिन क्या यह खुशी भाजपा की जीत से ज्यादा टीएमसी की हार की है।क्योंकि खुशी बांटने का तरीका तोड़–फोड़ या हिंसक व्यवहार प्रदर्शन से तो नहीं होता है। दूसरे को तकलीफ पहुंचा कर जिन्हें खुशी मिलती है, उसके लिए संस्कृतनिष्ठ हिंदी में एक शब्द है परपीड़क सुख। यह एक किस्म का मनोविकार है। क्योंकि आम तौर पर व्यक्ति तब हिंसक होता है, जब उसे खुद पर किसी किस्म का खतरा दिखाई देता है। आत्मरक्षा में वह भी हिंसा का सहारा लेता है या उसे किसी बात पर इतना गुस्सा आ जाता है कि वह खुद पर काबू नहीं रख पाता और हिंसक हो जाता है। लेकिन गुस्सा शांत होते ही सामान्य व्यक्ति को अपनी हिंसा पर पछतावा भी होता है। लेकिन जिन लोगों में परपीड़क सुख का व्यक्तित्व विकार होता है, वे दूसरों को चोट पहुंचाने में आनंद का अनुभव करते हैं, उन्हें न पछतावा होता है, न पश्चाताप। इस विकार के मुख्य घटकों में नुकसान पहुंचाने का इरादा, दूसरों को पीड़ा पहुंचाने में आनंद प्राप्त करना और पश्चाताप का अभाव शामिल हैं। ऐसी विकृति के शिकार लोगों के कुछ खास लक्षण भी मनोविज्ञान में बताए गए हैं। जैसे वे बेहद असुरक्षित, कायर होते हैं, खतरे से डरते हैं और बहादुर होने का दिखावा करते हैं। वे अमानवीय प्रकृति के होते हैं, हिंसक होते हैं। अपनी दुर्भावनाओं का नाटकीय चित्रण करते हैं। दबी हुई निराशा या अपमान की भावनाओं को बाहर निकालने के लिए आक्रामकता का उपयोग करते हैं।ये सारे लक्षण इस समय बंगाल की सड़कों पर भाजपा की जीत की खुशी मनाते कई लोगों में, खासकर पुरुषों में देखे जा सकते हैं। कुछ भयावह वीडियो सामने आए हैं, जिनसे इस बात को कुछ और स्पष्टता के साथ समझा जा सकता है। एक वीडियो में नरेन्द्र मोदी की शक्ल का मास्क लगाकर एक आदमी, एक महिला को रस्सी से बांध कर खींच रहा है, जिसने सफेद और नीली साड़ी पहनी है। महिला को ममता बनर्जी की तरह दिखाने की कोशिश की गई है। इस महिला का जुलूस निकाला जा रहा है और उसमें भाजपा के झंडे के साथ कई आदमी और औरतें चल रही हैं। एक और वीडियो में एक आदमी को ममता बनर्जी जैसी साड़ी और हुलिए में दिखाकर जय श्रीराम के नारे लगाए जा रहे हैं, उस व्यक्ति को भी बांध कर जुलूस निकाला जा रहा है और उस पर चप्पल भी बरसाई जा रही है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने इस पर टिप्पणी की है मोदी जी के नाम पर, सारे मवाली मैदान में। मोदी मास्क लगा कर महिला को रस्से से बांध कर खींचने वाला भाजपा कार्यकर्ता बंगाल में नारी वंदन का पोस्टर बॉय है।बेशक ऐसी हरकतों से साफ नजर आता है कि भाजपा के लिए नारी वंदन भी चुनावी पैंतरे से ज्यादा और कुछ नहीं है। वैसे भी नारी को वंदना के लायक बताने का खेल सदियों से पितृसत्तात्मक समाज खेलता आया है। एक तरफ उन्हें भरम में रखो कि हम तो तुम्हें देवी बनाकर पूजते हैं और दूसरी तरफ उन्हें अपमानित, प्रताड़ित, शोषित करते रहो। मोदी सरकार भी जिस तरह से नारी वंदन अधिनियम लेकर आई, वह नाम के खिलवाड़ से ज्यादा कुछ नहीं है। महिलाओं को सशक्त करने के लिए नाम की नहीं काम की और उससे पहले इरादे की जरूरत होती है, जिसका अभाव मोदी सरकार और भाजपा में साफ नजर आता है। नारी वंदन की जगह आज नारी विमर्श की जरूरत है, लेकिन वह भाजपा के दायरे में कहीं होता हुआ नहीं दिख रहा है।

पुराने दोस्त द्रमुक का हाथ दिया झटक, सत्ता के लिए पाला बदलने में कांग्रेस को कभी नहीं होती हिचक

नीरज

तमिलनाडु की राजनीति में आज एक बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ देखने को मिला, जब कांग्रेस ने विजय की तमिलगा वेत्री कड़गम यानि टीवीके को सरकार गठन के लिए समर्थन देने की घोषणा कर दी। इस फैसले के साथ ही द्रविड़ मुनेत्र कषगम यानि द्रमुक और कांग्रेस के बीच दो दशक से अधिक पुराने राजनीतिक रिश्ते पर लगभग विराम लग गया है। कांग्रेस ने साफ किया है कि उसका यह गठबंधन केवल सरकार गठन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि स्थानीय निकाय, लोकसभा और राज्यसभा चुनावों तक जारी रहेगा। हम आपको बता दें कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी टीवीके 234 सदस्यीय सदन में 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत है। कांग्रेस के पांच विधायकों के समर्थन के बाद यह संख्या 113 तक पहुंच गई है और अब सरकार गठन के लिए केवल पांच और विधायकों की आवश्यकता रह गई है। विजय ने राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा भी पेश कर दिया है। कांग्रेस ने अपने समर्थन के साथ एक महत्वपूर्ण शर्त भी रखी है। पार्टी ने कहा है कि टीवीके किसी भी परिस्थिति में भाजपा या उसके सहयोगी दलों को सरकार या गठबंधन का हिस्सा नहीं बनाएगी। तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडानकर ने कहा कि कांग्रेस धर्मनिरपेक्ष, प्रगतिशील और संवैधानिक मूल्यों वाली राजनीति के साथ खड़ी है और जनता के जनादेश का सम्मान करना उसका कर्तव्य है। उधर, कांग्रेस के इस फैसले ने द्रमुक को गहरा राजनीतिक झटका दिया है। द्रमुक नेताओं ने इसे ''पीठ में छूरा घोंपना'' बताया है। यह नाराजगी इसलिए भी अधिक है क्योंकि द्रमुक और कांग्रेस का रिश्ता केवल चुनावी समझौता नहीं बल्कि लंबे समय की राजनीतिक साझेदारी माना जाता रहा है। दोनों दल पहली बार 1971 में साथ आए थे और बाद में 2004 से 2013 तक द्रमुक केंद्र में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार का अहम हिस्सा रही थी। 2016 के बाद दोनों ने फिर मिलकर चुनाव लड़े और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी राजनीति की मजबूत धुरी बने। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस का यह कदम केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका असर राष्ट्रीय राजनीति और विपक्षी गठबंधन इंडिया पर भी पड़ेगा। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब कांग्रेस और द्रमुक तमिलनाडु में आमने सामने होंगे, तब क्या वह राष्ट्रीय स्तर पर एक मंच पर बने रह पाएंगे। कांग्रेस यह तर्क दे रही है कि वाम दलों और तृणमूल कांग्रेस की तरह अलग अलग राज्यों में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद इंडिया गठबंधन जारी रह सकता है। लेकिन द्रमुक की नाराजगी और कांग्रेस के नए रुख ने विपक्षी एकता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस घटनाक्रम का सबसे बड़ा राजनीतिक लाभ विजय और उनकी पार्टी टीवीके को मिलता दिखाई दे रहा है। पहली बार चुनाव लड़कर सबसे बड़ी पार्टी बनना और उसके तुरंत बाद कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल का समर्थन हासिल करना विजय को राज्य की राजनीति में एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित करता है। यही कारण है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेन्नई स्थित सत्यमूर्ति भवन में जश्न मनाया और इसे नई राजनीतिक शुरुआत बताया। विजय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से बात कर उन्हें शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित भी किया है। इससे यह संकेत मिलता है कि दोनों दल भविष्य में स्थायी राजनीतिक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। कांग्रेस नेता प्रवीण चक्रवर्ती ने बताया कि विजय ने राहुल गांधी और खरगे को फोन कर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। हालांकि सरकार गठन का रास्ता अभी पूरी तरह साफ नहीं है। कांग्रेस के समर्थन के बाद भी टीवीके बहुमत से पांच सीट दूर है। ऐसे में नजर अब अन्नाद्रमुक पर टिकी है, जिसके पास 47 विधायक हैं। यदि अन्नाद्रमुक किसी रूप में समर्थन देती है, तो विजय आसानी से बहुमत हासिल कर सकते हैं। लेकिन यही वह स्थिति है जिसने कांग्रेस को असहज कर रखा है, क्योंकि उसने स्पष्ट कहा है कि भाजपा या उसके सहयोगियों की भागीदारी स्वीकार नहीं होगी। ऐसे में देखना होगा कि क्या अन्नाद्रमुक में विभाजन होता है या फिर अन्नाद्रमुक भाजपा का साथ छोड़कर विजय के साथ आ जाती है। देखा जाये तो तमिलनाडु की राजनीति का इतिहास भी बताता है कि यहां गठबंधन स्थायी नहीं रहे हैं। कभी कांग्रेस और द्रमुक साथ रहे, फिर कांग्रेस अन्नाद्रमुक के साथ चली गई। 1999 में द्रमुक ने भाजपा के साथ हाथ मिलाया, जबकि 2004 में वह फिर कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन में लौट आई। इस बार भी सत्ता समीकरण ने पुराने रिश्तों को बदल दिया है। राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो कांग्रेस का यह फैसला व्यावहारिक राजनीति का उदाहरण माना जा रहा है। पार्टी को यह एहसास हो गया था कि द्रमुक के साथ रहते हुए उसकी भूमिका सीमित होती जा रही थी। वहीं टीवीके के साथ आने से उसे भविष्य में अधिक सीटें और सत्ता में भागीदारी मिलने की संभावना दिखाई दे रही है। दूसरी ओर द्रमुक के लिए यह संकट का समय है, क्योंकि उसका सबसे पुराना सहयोगी अब उसके विरोधी खेमे में खड़ा दिखाई दे रहा है। आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या इंडिया गठबंधन इस राजनीतिक झटके को संभाल पाता है या फिर राज्यों में बदलते समीकरण राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता को कमजोर कर देंगे। फिलहाल इतना तय है कि तमिलनाडु की राजनीति में विजय का उदय और कांग्रेस का नया दांव देश की राजनीति में एक नए दौर की शुरुआत का संकेत दे रहा है।

धरती की जीवनदायिनी क्षमताओं की रक्षा जरूरी

भारत

भारतीय संस्कृति पत्रिका बीसवीं शताब्दी की एक खास विशेषता, जो इसे पहले की शताब्दियों से एक अलग पहचान देती है, यह है कि इस शताब्दी के अंत तक पंहुचते–पहुंचते अनेक मानव निर्मित कारणों से ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न हो चुकी हैं जिनसे पृथ्वी पर मानव जीवन व अनेक अन्य तरह के जीवन का अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया है। मनुष्य ने अपने कार्यों से अपने अस्तित्व को ही खतरे में डाल दिया। वैसे तो वैकल्पिक विकास की जरूरत बहुत समय से महसूस की गई है, पर आज की विशेष परिस्थितियों में इसका महत्व और बढ़ गया है।हाल के वर्षों में, विशेषकर पिछले तीन दशकों में, इस सोच का संभवतरू सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह रहा है कि अब धरती पर जीवन के अस्तित्व मात्र का संकट विकट हो रहा है और इस कारण विकल्पों की तलाश और भी बहुत जरूरी हो गई है। हालांकि एक तरह से यह सोच 75 वर्ष पहले ही आरंभ हो गई थी जब पहला परमाणु बम हिरोशिमा में गिराया गया था। इसके बाद अस्तित्व का खतरा परमाणु हथियारों के संदर्भ में ही चर्चित होता था। पर जैसे–जैसे पर्यावरण की अनेक गंभीर समस्याओं व विशेषकर जलवायु बदलाव के संकट की गंभीरता स्पष्ट हुई तो अस्तित्व के संकट को अधिक व्यापक संदर्भ में पहचाना जाने लगा। इस संकट की व्यापकता और गंभीरता वर्ष 1990 तक स्पष्ट हो चुकी थी।वर्ष 1992 में विश्व के 1575 वैज्ञानिकों ने (जिनमें उस समय जीवित नोबल पुरस्कार प्राप्त वैज्ञानिकों में से लगभग आधे वैज्ञानिक भी सम्मिलित थे) एक बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा, श्हम मानवता को इस बारे में चेतावनी देना चाहते हैं कि भविष्य में क्या हो सकता है? पृथ्वी और उसके जीवन की व्यवस्था जिस तरह हो रही है उसमें एक व्यापक बदलाव की जरूरत है अन्यथा बहुत दुख–दर्द बढ़ेंगे और हम सबका घर यह पृथ्वी इतनी बुरी तरह तहस–नहस हो जाएगी कि फिर उसे बचाया नहीं जा सकेगा।आगे इन वैज्ञानिकों ने कहा कि वायुमंडल, समुद्र, मिट्टी, वन और जीवन के विभिन्न रूपों सभी पर तबाह हो रहे पर्यावरण का बहुत दबाव पड़ रहा है और वर्ष 2100 तक पृथ्वी के विभिन्न जीवन रूपों में से एक तिहाई लुप्त हो सकते हैं। मनुष्य की वर्त्तमान जीवन–पद्धति के अनेक तौर–तरीके भविष्य में सुरक्षित जीवन की संभावनाओं को नष्ट कर रहे हैं और इस जीती–जागती दुनिया को इतना बदल सकते हैं कि जिस रूप में जीवन को हमने जाना है, उसका अस्तित्व ही कठिन हो जाए। इन प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों ने जोर देकर कहा कि प्रकृति की इस तबाही को रोकने के लिए बुनियादी बदलाव जरूरी है। बीसवीं शताब्दी की एक खास विशेषता, जो इसे पहले की शताब्दियों से एक अलग पहचान देती है, यह है कि इस शताब्दी के अंत तक पंहुचते–पहुंचते अनेक मानव निर्मित कारणों से ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न हो चुकी हैं जिनसे पृथ्वी पर मानव जीवन व अनेक अन्य तरह के जीवन का अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया है। मनुष्य ने अपने कार्यों से अपने अस्तित्व को ही खतरे में डाल दिया व साथ ही अनेक अन्य तरह के बेकसूर जीवों के अस्तित्व को भी– अब चाहे यह खतरा जलवायु तेजी से बदलने के रूप में उत्पन्न हुआ हो, ओजोन परत तेजी से लुप्त होने के रूप में हो, अणु हथियारों के विशालकाय भंडार के रूप में हो या अन्य तरह का हो। वर्ष 1992 की चेतावनी के 25 वर्ष पूरा होने पर एक बार फिर विश्व के बहुत जाने–माने वैज्ञानिकों ने वर्ष 2017 में एक नई अपील जारी की। इस अपील पर पहले से भी अधिक ध्यान आकर्षित हुआ। इस पर 180 देशों के 13,524 वैज्ञानिकों व अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने हस्ताक्षर किया। इस बयान में कहा गया कि जिन गंभीर समस्याओं की ओर वर्ष 1992 में ध्यान दिलाया गया था उनमें से अधिकांश समस्याएं पहले से अधिक विकट हो रही हैं या उनको सुलझाने के प्रयास में कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं है। केवल ओजोन परत संबंधी समस्या में कुछ महत्वपूर्ण उल्लेखनीय सफलता मिली है। अस्तित्व को संकट में डालने वाली अन्य समस्याएं पहले की तरह गंभीर स्थिति में मौजूद हैं या फिर उनकी स्थिति और विकट हुई है। दूसरी ओर ऐसी समस्याओं का समाधान धरती पर जीवन के अस्तित्व मात्र की रक्षा के लिए बहुत जरूरी है। स्टॉकहोम रेसिलियंस सेंटर के वैज्ञानिकों के अनुसंधान ने हाल के समय में धरती के सबसे बड़े संकटों की ओर ध्यान केंद्रित करने का प्रयास किया है। यह अनुसंधान बहुत चर्चित रहा है। इस अनुसंधान में धरती पर जीवन की सुरक्षा के लिए नौ विशिष्ट सीमा–रेखाओं की पहचान की गई है जिनका अतिक्रमण मनुष्य की क्रियाओं को नहीं करना चाहिए। गहरी चिंता की बात है कि इन नौ में से तीन सीमाओं का अतिक्रमण होना आरंभ हो चुका है। यह तीन सीमाएं हैं– जलवायु बदलाव, जैव–विविधता का ह्रास व भूमंडलीय नाईट्रोजन चक्र में बदलाव। इसके अतिरिक्त चार अन्य सीमाएं ऐसी है जिसका अतिक्रमण होने की संभावना निकट भविष्य में है। यह चार क्षेत्र हैं–भूमंडलीय फास्फोरस चक्र, भूमंडलीय जल उपयोग, समुद्रों का अम्लीकरण व भूमंडलीय स्तर पर भूमि उपयोग में बदलाव। यह विभिन्न संकट अनेक स्तरों पर एक दूसरे से मिले हुए हैं व एक सीमा (जिसे प्रायरू टिपिंग पाईंट कहा जा रहा है) पार करने पर धरती की जीवनदायिनी क्षमता की इतनी क्षति हो सकती है उसे लौटा पाना कठिन होगा। पिछले सात दशकों में विश्व की एक बड़ी विसंगति यह रही है कि महाविनाशक हथियारों के इतने भंडार मौजूद हैं जो सभी मनुष्यों को व अधिकांश अन्य जीवन–रूपों को एक बार नहीं कई बार ध्वस्त करने की विनाशक क्षमता रखते हैं। परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने के लिए गठित आयोग ने दिसंबर 2009 में जारी अपनी रिपोर्ट में कहा कि जब तक कुछ देशों के पास परमाणु हथियार हैं, अनेक अन्य देश भी उन्हें प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। यहां तक कि आतंकवादी संगठन भी परमाणु हथियार प्राप्त करने की क्षमता रखते हैं। अन्य महाविनाशक हथियारों विशेषकर रासायनिक व जैविक हथियारों के प्रतिबंध के समझौते चाहे हो चुके हैं, पर विश्व इन हथियारों से मुक्त नहीं हुआ है। जहां तक आतंकवादियों द्वारा महाविनाशक हथियारों के उपयोग का खतरा है तो यह परमाणु हथियारों की अपेक्षा रासायनिक हथियारों के संदर्भ में और भी अधिक है। स्पष्ट है कि जीवन के अस्तित्व को खतरे में डालने वाले खतरों को असहनीय हद तक बढ़ने दिया गया है और यही इस समय विश्व की सबसे विकट समस्या है। इस संकटग्रस्त विश्व में अब मुख्य उम्मीद तो विश्व में जनशक्ति के ऐसे उभार से ही रह जाती है जो संकीर्ण विभाजनों से ऊपर उठ कर विश्व को भावी पीढ़ियों के जीवन की रक्षा के सबसे आवश्यक कार्य में समर्पित करें।

स्मार्ट, संवहनीय, बेजोड़– टेक्निकल टेक्सटाइल इस तरह बुन रहे हैं फुटवियर में भारत का भविष्य'

गिरिराज सिंह

आत्मनिर्भर भारत का मतलब सिर्फ उत्पादन में आत्मनिर्भरता ही नहीं, बल्कि वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में नेतृत्व भी हासिल करना है। कुछेक क्षेत्रों ने ही इस अवसर का फुटवियर की तरह स्पष्ट रूप से उपयोग किया है। फुटवियर रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली सबसे आम वस्तुओं में से एक है। इसका इस्तेमाल स्कूली बच्चों, लंबी पाली में काम करने वाले कामगारों और लगातार भागमभाग कर सामान की डिलीवरी करने वालों से लेकर अपनी शारीरिक सीमाओं से आगे जाने वाले एथलीट तक करते हैं। भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा फुटवियर उत्पादक है। इसके बावजूद वैश्विक फुटवियर निर्यात में हमारी हिस्सेदारी बहुत कम है। यह अंतर क्षमता की कमी के कारण नहीं, बल्कि मटेरियल (सामग्री), डिजाइन और कार्य प्रदर्शन के प्रति दृष्टिकोण बदलने की आवश्यकता के कारण है। इस बदलाव के केंद्र में एक ऐसी श्रेणी भी है जिस पर अक्सर लोगों का ध्यान नहीं जाता, वह है–तकनीकी वस्त्र (टेक्निकल टेक्सटाइल)। मैंने इसे हाल ही में अपनी आगरा यात्रा के दौरान और अधिक स्पष्टता से समझा। आगरा अपने जूतों और चप्पल के लिए जाना जाता है। वहां के उत्पादन समूहों में घूमते हुए और निर्माताओं से बातचीत करते हुए यह स्पष्ट हो गया कि वहां इनके उत्पादन में नवाचार पहले से ही किया जा रहा है। कई इकाइयाँ ऐसी सामग्रियों का उपयोग कर रही थीं जो बहुत आरामदायक, टिकाऊ और नरम जूते बना रही हैं। लेकिन इनमें से कइयों ने इन्हें टेक्निकल टेक्सटाइल के रूप में नहीं बताया। उन सब ने इन्हें सिर्फ ऐसे बेहतर आदानों के रूप में देखा जो उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करते हैं। दिल्ली में फुटवियर संघ के साथ हुई एक बैठक के दौरान यह समझ और गहरी हुई। उद्योग जगत के हितधारकों ने उपभोक्ताओं की बदलती अपेक्षाओं के बारे में बताया, जैसे उपभोक्ता अब हलके, बेहतर कुशनिंग वाले, हवादार और टिकाऊ जूते पसंद करते हैं। ये अब केवल महंगे उत्पादों की विशेषताएं नहीं रह गई, बल्कि मानक जरूरतें बनती जा रही थीं। इसी चर्चा के दौरान मेरे विभाग ने एक महत्वपूर्ण बिंदु पर प्रकाश डालारू फुटवियर उद्योग पहले से ही टेक्निकल टेक्सटाइल का व्यापक रूप से उपयोग कर रहा है, भले ही इसे औपचारिक रूप से मान्यता न दी गई हो। उस अहसास ने पूरी चर्चा का स्वरूप ही बदल दिया। वैश्विक स्तर पर, फुटवियर उद्योग सालाना लगभग 23.9 बिलियन जोड़ी जूतों का उत्पादन करता है, जिसका बाजार आकार करीब 500 बिलियन अमरीकी डॉलर है। भारत वैश्विक उत्पादन में लगभग 12.5 प्रतिशत का योगदान देता है, फिर भी निर्यात में इसकी हिस्सेदारी केवल 2 प्रतिशत है। यह आंकड़ा हमारी क्षमता और वैश्विक स्थिति के बीच के स्पष्ट अंतर को दर्शाता है। साथ ही, दुनिया भर के लगभग 86 प्रतिशत फुटवियर नॉन–लेदर (गैर–चमड़ा) हैं, जबकि भारत का उद्योग परंपरागत रूप से चमड़े पर केंद्रित रहा है। देश में भी स्थिति तेजी से बदल रही है। साल 2025 में भारतीय फुटवियर बाजार का आकार 20.67 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुँच गया, जो बढ़ती आय और उपभोक्ता की बदलती प्रवृत्तियों को दर्शाता है। हालाँकि, एक औसत भारतीय अभी भी साल भर में लगभग 2 जोड़ी जूते ही खरीदता है, जबकि वैश्विक औसत 7 से 8 जोड़ी का है। जैसे–जैसे खरीदने की क्षमता बढ़ेगी, उपभोक्ताओं की पसंद आराम और बेहतर प्रदर्शन होगी। इसे देखते हुए घरेलू बाजार का विस्तार और भी व्यापक होने की उम्मीद है। यही वह बिंदु है जहाँ तकनीकी वस्त्र (टेक्निकल टेक्सटाइल) विकास के अगले चरण के लिए महत्वपूर्ण बन जाते हैं। वस्त्र मंत्रालय में, इस परिवर्तन को स्मार्ट, टिकाऊ और निर्बाध फ्रेमवर्क के माध्यम से आगे बढ़ाया जा रहा है। स्मार्ट फुटवियर तकनीक और डिजाइन के बढ़ते एकीकरण को दर्शाते हैं। डिजिटल टूल्स, एआई आधारित मॉडलिंग और फुट स्कैनिंग के माध्यम से अब बड़े पैमाने पर व्यक्तिगत जरूरतों के अनुरूप समाधान संभव हो पा रहे हैं। यह रुझान व्यापक रूप से उपभोक्ताओं की जरूरतों और फैशन के अनुरूप है। वर्ष 2025 में, भारत में 28.9 मिलियन स्मार्टवॉच की बिक्री दर्ज की गई, जिससे 780 मिलियन अमरीकी डॉलर का राजस्व प्राप्त हुआ। यह उन उत्पादों के प्रति बढ़ती पसंद को दर्शाता है जो दैनिक उपयोग के साथ–साथ आज के समय के अनुरूप भी हों। स्नीकर (हलके रबड़ के जूते) श्रेणी के जूते इस बदलाव को और अधिक स्पष्ट रूप से दिखाते हैं। अनुमान है कि यह वर्ष 2024 के 3. 2 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 2030 तक यह लगभग 6 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुँच जायेंगे, जिसमें इसकी मात्रा 55 मिलियन जोड़ी से बढ़कर 70 मिलियन जोड़ी हो जाएगी। उपभोक्ता स्पष्ट रूप से ऐसे फुटवियर खरीद रहे हैं जो आरामदायक हों और देखने में भी सुन्दर हों और यहीं पर तकनीकी वस्त्र एक निर्णायक भूमिका निभाते हैं। संवहनीयता भी एक निर्णायक कारक बनता जा रहा है। ष्पुनर्चक्रित पीईटी प्लास्टिक और बायोडिग्रेडेबल फाइबर जैसे पदार्थ धीरे–धीरे उत्पादन की मुख्यधारा में प्रवेश कर रहे हैं। भारत के लिए, यह न केवल एक पर्यावरणीय अनिवार्यता है, बल्कि वैश्विक बाजारों में खुद को संवहनीय सामग्री के आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करने का एक रणनीतिक अवसर भी है। इसी तरह, निर्बाध विनिर्माण की दिशा में बढ़ते कदम भी परिवर्तनकारी साबित हो रहे हैं। 3डी बुनाई और उन्नत निर्माण जैसी तकनीकें कचरे को कम कर रही हैं, दक्षता में सुधार कर रही हैं और उत्पादन चक्र को तेज कर रही हैं। इससे निर्माता निरंतरता और गुणवत्ता बनाए रखते हुए उपभोक्ता की बदलती मांगों के प्रति अधिक प्रभावी ढंग से उत्पादन करने में सक्षम हो रहे हैं। इस बदलाव को और भी मजबूत बनाने वाली बात है भारत के मौजूदा इकोसिस्टम का पैमाना। फुटवियर उद्योग में पहले से ही 20 लाख से ज़्यादा लोगों को रोजगार मिला हुआ है, जिसमें लगभग 50 प्रतिशत महिलाएँ हैंय इस वजह से यह समावेशी रोजगार का एक बड़ा जरिया बन गया है। लगभग 2.9 अरब जोड़ी जूतों के सालाना उत्पादन के साथ, भारत में प्रति श्रमिक उत्पादकता लगभग 4 से 5 जोड़ी प्रतिदिन है। इसकी तुलना में, वैश्विक उत्पादन में कहीं ज़्यादा दक्षता देखने को मिलती है, जहाँ मजदूर प्रतिदिन लगभग 17 से 20 जोड़ी जूते बनाते हैं। आगरा, कानपुर, चेन्नई, रानीपेट, अंबूर और कोलकाता में स्थापित क्लस्टर्स न केवल उत्पादन के केंद्र हैं, बल्कि वे आधार भी हैं जिन पर भारत फुटवियर क्षेत्र में अपनी दक्षता, प्रतिस्पर्धात्मकता और वैश्विक नेतृत्व को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता है।

लखनऊ और अवध के कई जिलों में सुबह से लगातार बारिश

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ और अवध के कई जिलों में गुरुवार की सुबह एक बार फिर से मौसम में बदलाव हुआ। लखनऊ में सुबह चार बजे से आंधी के साथ बरसात शुरू हुई। लगभग पूरे शहर में कहीं कम तो कहीं ज्यादा बरसात हुई। बारिश के साथ बिजली चमकने और बादलों के गरजने का क्रम जारी रहा। दूसरी तरफ मौसम विभाग के अनुसार उत्तर प्रदेश में गर्मी दोबारा वापसी के लिए तैयार है। विभाग के मुताबिक यूपी में विक्षोभ कमजोर पड़ा है और बुधवार को सिर्फ सिद्धार्थनगर आदि तराई इलाकों में बूंदाबांदी हुई। बृहस्पतिवार से प्रदेश में बारिश का दायरा सिमट जाएगा और तापमान में क्रमशरू बढ़ोतरी दर्ज होगी। साथ ही हवा में नमी की मौजूदगी की वजह से उमस भरी गर्मी में इजाफा होगा। बृहस्पतिवार के लिए कहीं भी आंधी या बारिश की कोई चेतावनी नहीं है। बुधवार को 38 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान के साथ बांदा प्रदेश में सर्वाधिक गर्म रहा। वहीं उरई में 37.2 डिग्री और झांसी में 36. 9 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। 16 डिग्री के साथ नजीबाबादी में सबसे ठंडी रात रही। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार को तराई और दक्षिणी जिलों में हल्की बूंदाबांदी संभावित है। शुक्रवार से बारिश थमने के बाद अगले सात दिनों में तापमान में 8 से 10 डिग्री तक की बढ़त आएगी। राजधानी के मौसम में उतार–चढ़ाव जारी है। बूंदाबांदी और हवाओं ने मंगलवार को राहत दी तो बुधवार को दिन चढ़ने के साथ धूप खिली और पारे में 5.3 डिग्री का उछाल आया। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को गरज–चमक के साथ हल्की बूंदाबांदी के संकेत जताए हैं। इसके बाद हवा में मौजूद नमी के कारण उमस भरी गर्मी फिर परेशान करेगी। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार को हल्की बूंदाबांदी संभावित है। फिर शुक्रवार से विक्षोभ कमजोर पड़ेगा। बारिश थमने के बाद अगले सात दिनों में तापमान में 7 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़त आएगी। बुधवार को अधिकतम तापमान 5.3 डिग्री की बढ़ोतरी के साथ 33.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। न्यूनतम पारा 0.8 डिग्री की बढ़त के साथ 21 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

नगर निगम मुख्यालय में सुनी जाएंगी समस्याएं जनगणना 2027 पर भी होगा जागरूकता अभियान

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर निगम लखनऊ द्वारा नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से 8 मई 2026 को 'सम्पूर्ण समाधान दिवस' का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम नगर निगम मुख्यालय लालबाग में प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित होगा, जिसकी अध्यक्षता महापौर सुषमा खर्कवाल करेंगी। इस दौरान नगर निगम से जुड़ी विभिन्न समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाएगा, साथ ही जनगणना 2027 को लेकर नागरिकों को जागरूक भी किया जाएगा।सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान गृहकर, जीआईएस सर्वे, सफाई व्यवस्था, जल निकासी, सड़क मरम्मत और स्ट्रीट लाइट जैसी सेवाओं से संबंधित शिकायतों का निस्तारण किया जाएगा। नगर निगम के सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्याएं सुनेंगे और उनके त्वरित समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगे। प्रशासन ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें और शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करें।इसी के साथ जनगणना 2027 के पहले चरण मकान सूचीकरण अभियान (एचएलओ) के तहत उत्तर प्रदेश में 22 मई से 20 जून 2026 तक घर–घर गणना का कार्य किया जाएगा। इससे पहले नागरिकों को स्व–गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की सुविधा दी गई है, जो 7 मई से 21 मई 2026 तक उपलब्ध रहेगी। इस प्रक्रिया के तहत नागरिक जनगणना अधिकारी के आने से पहले ही ऑनलाइन माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे।नगर निगम प्रशासन के अनुसार स्व–गणना पोर्टल हिंदी, अंग्रेजी सहित 14 भाषाओं में उपलब्ध है और कोई भी परिवार का सदस्य लगभग 15 से 20 मिनट में यह प्रक्रिया पूरी कर सकता है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद "भ" से शुरू होने वाली 11 अंकों की एक विशेष स्व–गणना आईडी (भ् प्च्) जनरेट होगी, जो एसएमएस और ईमेल के माध्यम से प्राप्त होगी ।

अब घर खरीदना होगा आसान, एक क्लिक में जांचें बिल्डर का रिकॉर्ड, खरीदारों को बड़ी राहत

लखनऊ, (संवाददाता)। फ्लैट खरीदने वालों के लिए अच्छी खबर है। उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) जल्द ही रेरा 2.0 नाम से नया एप और डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च करने जा रहा है। इसके जरिए अब कोई भी व्यक्ति घर खरीदने से पहले बिल्डर या रियल एस्टेट कंपनी की पूरी जानकारी एक क्लिक में देख सकेगा। यूपी रेरा के चेयरमैन संजय भूसरेड्डी के मुताबिक, यह ऐप इसी साल दिसंबर तक लॉन्च किया जाएगा। इससे घर खरीदने की प्रक्रिया ज्यादा सुरक्षित और पारदर्शी बनेगी। इस प्लेटफॉर्म में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे शिकायतों का निस्तारण तेजी से होगा और नियम तोड़ने वाले बिल्डरों पर जल्दी कार्रवाई हो सकेगी। नई सुविधा के तहत खरीदार किसी भी प्रोजेक्ट या कंपनी के बारे में जरूरी जानकारी जैसे कितनी शिकायतें दर्ज हैं, प्रोजेक्ट में देरी का रिकॉर्ड, नियमों का पालन, आर्थिक स्थिति और अनुभव आसानी से जान सकेंगे। इससे घर खरीदने से पहले सही फैसला लेना आसान होगा। इसके अलावा, प्रोजेक्ट से जुड़ी पूरी जानकारी जैसे जमीन का मालिकाना हक, मंजूरी, समय सीमा और फंड के इस्तेमाल का विवरण भी उपलब्ध रहेगा।

300 मीटर की दूरी तय करने में लगे 30 मिनट

लखनऊ, (संवाददाता)। कचहरी के सामने से होकर कैसरबाग जाने वाले रास्तों की यातायात व्यवस्था बुधवार को पूरे दिन बदहाल रही। वाहन चालकों को चिलचिलाती धूप में 300 मीटर की दूरी तय करने में 30 मिनट से अधिक समय लग गए। पैदल राहगीरों को भी दिक्कतों का सामना पड़ा। ज्येष्ठ माह के चलते मंगलवार को कचहरी में कामकाज बंद रहा था। बुधवार को कचहरी खुली तो कैसरबाग जाने वाले मार्गों की यातायात व्यवस्था लड़खड़ा गई। सुबह 10 से दोपहर तीन बजे तक कई बार जाम लगा। दोपहर 12रू28 बजे कैसरबाग बस अड्डा (रेजिडेंसी के पास से) जाने वाली सड़क पर लंबा जाम लगा था। रोडवेज की कई बसें, चार पहिया, दोपहिया वाहनों के साथ एक एंबुलेंस भी इसमें फंसी थी। जाम का कारण सड़क पर दोनों ओर बेतरतीब तरीके से खड़ी बाइकें और दोपहिया वाहन थे। दो से पांच मिनट में तय होने वाली दूरी में वाहन चालकों को आधे घंटे तक जाम से जूझना पड़ा। दोपहर करीब 1रू25 बजे परिवर्तन चौक मार्ग पर घसियारी मंडी पंपिंग स्टेशन के पास बाइक समीप से गुजर रही कार से छू गई। इस पर कार और बाइक चालक बीच सड़क पर विवाद करने लगे। इससे मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। लोगों ने बीच–बचाव कर विवाद शांत कराया। वाहन चालकों को 10 मिनट तक दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दोपहर 2रू05 बजे ग्लोब पार्क के पास से कैसरबाग जाने वाले मार्ग पर भी जाम लगा। स्वास्थ्य भवन के गेट नंबर तीन के सामने चौराहे पर कई वाहन इसमें फंसे थे। यातायात पुलिसकर्मियों ने मशक्कत के बाद आवागमन बहाल कराया, मगर थोड़ी देर बाद फिर जाम लग गया।

उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के नवनिर्मित क्षेत्रीय कार्यालय का हुआ भव्य उद्घाटन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । ग्रामीण बैंकिंग सेवाओं को और अधिक आधुनिक एवं सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के नवनिर्मित एवं सुसज्जित क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन शुक्रवार को बैंक के अध्यक्ष श्री यादव एस. ठाकुर द्वारा विधिवत रूप से सम्पन्न किया गया। समारोह में बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों एवं गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। अपने संबोधन में श्री यादव एस. ठाकुर ने कहा कि बैंक ग्राहकों को बेहतर एवं आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने क्षेत्रीय विकास, वित्तीय समावेशन तथा ग्रामीण बैंकिंग को मजबूत बनाने के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता दोहराई। साथ ही उन्होंने नए कार्यालय को आधुनिक एवं ग्राहक–अनुकूल स्वरूप प्रदान करने के लिए पूरी टीम की सराहना की। क्षेत्रीय प्रबंधक कपिलेश के. आर. ने अतिथियों का स्वागत करते हुए क्षेत्र की उपलब्धियों, बैंक की योजनाओं एवं विकासात्मक पहलों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं मुख्य प्रबंधक विकास पांडेय ने अध्यक्ष सहित सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर बैंक द्वारा ग्रामीण एवं समावेशी बैंकिंग व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने के संकल्प को दोहराया गया।

कोतवाली पुलिस ने पीड़ित के खाते मे वापस कराया 100000 रूपये

अयोध्या। कोतवाली अयोध्या पुलिस ने पीड़ित के खाते मे 100000 वापस कराकर सराहनीय कार्य किया।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या पंकज सिंह ने बताया कि थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराया गया था कि गलती से उसका 100000 दूसरे के खाते में चला गया है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए अयोध्या पुलिस ने पीड़ित के खाते में 100000 वापस कराया।

थाना राम जन्मभूमि पुलिस ने बाइक चोर को किया गिरफ्तार

अयोध्या। थाना राम जन्मभूमि पुलिस ने बाइक चोर को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी की बाइक बरामद किया।इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रभारी निरीक्षक थाना राम जन्मभूमि सुमित श्रीवास्तव ने बताया कि उप निरीक्षक प्रवीण सिंह, उप निरीक्षक उत्तम यादव ने पुलिस टीम के साथ राजघाट पार्क तिराहा क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान चोरी की बाइक के साथ आरोपी शत्रुधन पुत्र आनंद निवासी ग्राम बिक्रमजोत पोस्ट शंकरपुर थाना छावनी जनपद बस्ती को गिरफ्तार किया।पुलिस पूछताछ मे आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने अप्रैल माह में 10ध्11 तारीख की रात्रि में हनुमानगढ़ी क्षेत्र से इसी बाइक को चोरी किया था।जिसे वह काफी दिनों से बेचने का प्रयास कर रहा था।जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया।

संक्षिप्त खबरें

पंचकोसी परिक्रमा मार्ग के निर्माण कार्य का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। डीएम शशांक त्रिपाठी ने शुक्रवार पंचकोसी परिक्रमा मार्ग के निर्माणाधीन कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने हनुमान गुफा से संपूर्ण निर्माण मार्ग का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता

पर विशेष जोर देते हुए कहा कि परियोजना से जुड़े सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए तथा प्रत्येक कार्य मानकों के अनुरूप कराया जाए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि जहां कहीं भी तकनीकी अथवा अन्य प्रकार की बाधाएं आ रही हैं, उन्हें तत्काल दूर करते हुए निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए, ताकि पंचकोसी परिक्रमा मार्ग का कार्य समय से पूर्ण होकर श्रद्धालुओं एवं आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने तथा कार्यों की प्रगति की सतत समीक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

बुद्धेश्वर उद्योग व्यापार मंडल चुनाव – नामांकन पत्रों की बिक्री प्रक्रिया सम्पन्न

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ व्यापार मंडल की इकाई बुद्धेश्वर उद्योग व्यापार मंडल के आगामी चुनाव को लेकर मंगलवार को लोधी भवन में नामांकन पत्रों की बिक्री की प्रक्रिया शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। चुनावी गतिविधियों के इस महत्वपूर्ण चरण में व्यापारियों में उत्साह देखा गया और विभिन्न पदों के लिए दावेदारी पेश करने वालों ने नामांकन पत्र खरीदे।इस दौरान लखनऊ व्यापार मंडल के महामंत्री उमेश शर्मा, चुनाव अधिकारी राशिद भाई, चुनाव अधिकारी एवं पार्षद धर्मेंद्र सिंह, राम शंकर राजपूत, तारा चंद्र रावत, देवीदास अग्रवाल, राजेश शुक्ला, इरशाद अहमद (गुड्डे) और एस. पी. पांडेय सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा काकोरी मोड़ व्यापार मंडल के सलाहकार शिवम पांडेय और चुनाव कार्यालय के सचिव नीरज शुक्ला सहित अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही।चुनाव अधिकारी राम शंकर राजपूत ने जानकारी देते हुए बताया कि कुल 8 पदों के लिए अब तक 17 नामांकन पत्रों की बिक्री की गई है, जो व्यापारियों की सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है। उन्होंने यह भी बताया कि नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 07 मई 2026 निर्धारित की गई है,।

बैंकॉक से लाए 2.76 करोड़ का ऑर्गेनिक गांजा, पांच गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। थाईलैंड के बैंकॉक से फ्लाइट के जरिये ऑर्गेनिक गांजे की तस्करी करने के पांच आरोपियों को मंगलवार रात हुसैनगंज पुलिस ने चारबाग

के पास गिरफ्तार किया। पकड़ा गया एक आरोपी मंगलवार सुबह ही बैंकॉक से गांजा लेकर लखनऊ आया था। इसकी कीमत 2.76 करोड़ रुपये बताई गई है। एसीपी हजरतगंज विकास जायसवाल ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर यह कार्रवाई हुई। आरोपियों को चारबाग स्थित बाल विद्या मंदिर के पास एसयूवी में पकड़ा गया। उनकी पहचान गोरखपुर बासगंज मऊ खुर्द निवासी प्रियांशु तिवारी, गोरखपुर गोला लाही द्वाड़ी निवासी राहुल शर्मा, गुजरात निवासी बृजेश राठौर, कोलकाता निवासी रविकांत और गोरखपुर कुरबा बाजार लाजुनपुर निवासी दीपक त्यागी के रूप में हुई। तलाशी में उनके पास 2 किलो 700 ग्राम ऑर्गेनिक गांजा, पांच किलो गांजा और आठ मोबाइल फोन मिले। दिल्ली ले जाने की फिराक में थे एसओ हुसैनगंज शिवमंगल सिंह ने बताया कि आरोपी रविकांत बैंकॉक में रहता है। वह चार मई को लखनऊ फ्लाइट से पहुंचा। उसने बैंकॉक में ही साथी बृजेश राठौर को गांजा लखनऊ लाने के लिए दिया था। बृजेश पांच मई को विमान से लखनऊ आया और हवाई अड्डे पर राहुल से मिला। दीपक त्यागी के माध्यम से गांजा दिल्ली में बेचा जाना था। सभी आरोपी प्रियांशु की एसयूवी से गांजा लेकर दीपक त्यागी को बैस में बैठाने जा रहे थे तभी पुलिस ने धर–दबोचा। आरोपियों ने बताया कि वे लोग बैंकॉक में 10 लाख रुपये किलो के हिसाब से गांजा खरीदते थे और उसे भारत लाकर एक करोड़ रुपये किलो के हिसाब से बेचते थे। हवाई अड्डे पर चेकिंग के दौरान बृजेश के पास गांजा क्यों नहीं पकड़ा गया, यह बड़ा सवाल है। एयरपोर्ट से आरोपियों ने गांजा बाहर कैसे निकाला, इसकी जांच जारी है। एसओ हुसैनगंज ने बताया कि आरोपी इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सके। आरोपियों को पकड़ने वाली पुलिस टीम के अनुसार, इस गिरोह में और भी लोग शामिल हो सकते हैं। आरोपियों के पास मिले मोबाइल फोन की डिटेल व डेटा की जांच की जा रही है। ऑर्गेनिक गांजे को हाइड्रोपोनिक वीड, ओजी और एजी के नाम से भी जाना जाता है। पारंपरिक रूप से उगाए गए गांजा की तुलना में यह कई गुना ज्यादा तीव्र होता है। इसे नियंत्रित वातावरण में उगाया जाता है, जिससे इसकी लागत और कीमत बहुत अधिक होती है।

मंच पर दिखेगा महाराजा सुहेलदेव और रानी लक्ष्मीबाई का शौर्य

लखनऊ, (संवाददाता)। भारतेंदु नाट्य अकादमी जल्द ही महाराजा सुहेलदेव और झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के जीवन पर आधारित नाटक तैयार कर इनका मंचन करेगा। पहले इन नाटकों का मंचन राजधानी में होगा और फिर प्रदेश के सभी जिलों में मंचन किया जाएगा। इसके साथ ही पूर्व में तैयार वंदेमातरम गीत पर आधारित नाटक आनंदमठ का भी विस्तार किया जाएगा। यह नाटक अब डेढ़ से दो घंटे की अवधि का होगा। पिछले दिनों बीएनए के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आठ दिवसीय स्वर्णजयंती समारोह का आयोजन किया गया था। इसके शुभारंभ अवसर पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीएनए की ओर से तैयार 20 मिनट का नाटक आनंदमठ भी देखा था। इसके बाद उन्होंने इच्छा जताई थी कि इस नाटक की अवधि दो घंटे की होनी चाहिए।इसे प्रदेश के हर जिले में व विद्यालयों में भी मंचित किया जाए, जिससे आज की पीढ़ी वंदेमातरम गीत की उत्पत्ति के बारे में जान सके। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा था कि बीएनए को महाराजा सुहेलदेव और रानी लक्ष्मीबाई समेत अन्य देशभक्त योद्धाओं पर भी नाटक तैयार करने चाहिए, ताकि बच्चे और युवा उनके बारे में विस्तार से जान सकें। इसी कड़ी में भारतेंदु नाट्य अकादमी ने अब ऐसे नाटकों की तैयारी शुरू कर दी है। इस संबंध में बीएनए के अध्यक्ष डॉ. रतिशंकर त्रिपाठी ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश के अनुपालन में हम ऐसी योजना तैयार कर रहे हैं, जिससे हम अपने असली नायकों के बारे में नई पीढ़ी को बता सकें। सबसे पहले महाराजा सुहेलदेव व रानी लक्ष्मीबाई पर नाटकों की तैयारी से हम शुरुआत करने जा रहे हैं। इसके साथ ही आनंदमठ को भी नए सिरे से तैयार किया जाएगा, जिसकी अवधि दो घंटे की होगी। उन्होंने बताया कि इन नाटकों का मंचन न सिर्फ राजधानी लखनऊ में होगा, बल्कि इन्हें प्रदेश के 75 जिलों में मंचित कराने की योजना है। बीएनए के अध्यक्ष डॉ. रतिशंकर त्रिपाठी ने बताया कि महाराजा सुहेलदेव श्रावस्ती के एक महान राजा थे, जिन्होंने 1034 में बहराइच में महमूद गजनवी के सेनापति गाजी मियां को युद्ध में हराने के बाद मार गिराया था। इनकी वीरता का जिक्र मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अक्सर अपने भाषणों में भी करते रहते हैं। वहीं, अंग्रेजों से लोहा लेने वाली झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के जीवन को भी नाटक में उतारा जाएगा। यह सिलसिला चलता रहेगा और आगे अन्य महापुरुषों पर आधारित नाटकों का भी मंचन होगा।

लखनऊ पुलिस की डिजिटल फॉरेंसिक में बढ़ी दक्षता

लखनऊ, (संवाददाता)। अपराधों की आधुनिक चुनौतियों से निपटने के लिए लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट लगातार तकनीकी सशक्तिकरण की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। इसी क्रम में 6 मई 2026 को रिजर्व पुलिस लाइन्स सभागार में "डिजिटलध कम्प्यूटर फॉरेंसिक" विषय पर एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) अपर्णा कुमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) बबलू कुमार और पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) अमित कुमावत के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जबकि संचालन सहायक पुलिस आयुक्त (महिला अपराधध्ट्रेनिंग सेल) सौम्या पाण्डेय के पर्यवेक्षण में किया गया।कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को डिजिटल साक्ष्यों के संकलन, संरक्षण और विधिक प्रक्रियाओं की बारीकियों से अवगत कराना था, ताकि विवेचना को आधुनिक तकनीक के अनुरूप और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। इसमें साइबर अपराधों में प्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को सुरक्षित तरीके से एकत्र करने और उन्हें न्यायालय में सशक्त रूप से प्रस्तुत करने के तरीकों पर विशेष जोर दिया गया।इस प्रशिक्षण में कुल 100 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। सत्र का संचालन वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह ने किया, जिन्होंने अपने अनुभव के आधार पर डिजिटल फॉरेंसिक के जटिल विषयों को सरल भाषा में समझाया। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधों के खुलासे में डिजिटल फॉरेंसिक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है।प्रशिक्षण के दौरान कंप्यूटर, मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से साक्ष्य एकत्र करने की वैज्ञानिक विधियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बीबीएयू में `नवभारत लोकमंथन 2.0´ का समापन, संसदीय वाद–विवाद में छात्रों ने दिखाया लोकतांत्रिक दृष्टिकोण

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा 'लोकतंत्र, राजनीति और पारदर्शिता' विषय पर आयोजित 'नवभारत लोकमंथन 2.0' संसदीय वाद–विवाद प्रतियोगिता का समापन बुधवार को सम्पन्न हुआ। समापन सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की, जबकि मंच पर विभागाध्यक्ष प्रो. सुदर्शन वर्मा और डॉ. अनीस अहमद भी मौजूद रहे। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों से 60 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और बाबासाहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। आयोजन समिति ने कुलपति को पौधा भेंट कर सम्मानित किया। प्रारंभ में प्रो. सुदर्शन वर्मा ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा और उद्देश्य की जानकारी दी।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने अपने संबोधन में कहा कि कानून केवल नियमों का समूह नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने का एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने संविधान के नीति–निर्देशक तत्वों, मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों का

उल्लेख करते हुए कहा कि ये नागरिकों को उनके दायित्वों का बोध कराते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे नवाचार और सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान दें तथा 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने यह भी कहा कि आज वैश्विक स्तर पर भारत एक सशक्त लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में उभर रहा है और इसमें युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।प्रो. सुदर्शन वर्मा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को अपने विचार व्यक्त करने और व्यक्तित्व विकास का अवसर प्रदान करते हैं। ऐसे कार्यक्रम उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं और उनकी बौद्धिक क्षमता को निखारते हैं।प्रतियोगिता के विभिन्न सत्रों में प्रतिभागियों ने अपने तर्क, विचार और शोध प्रस्तुत किए, जिनका मूल्यांकन विशेषज्ञों द्वारा किया गया।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर राजकीय पुस्तकालय में आयोजित हुआ कार्यक्रम

अयोध्या। विश्व रेड क्रॉस दिवस की अवसर पर जिला राजकीय पुस्तकालय अयोध्या में मुख्यालय आयुक्त स्काउट की अध्यक्षता में कार्यक्रम किया गया।जिसमें पढ़ने वाले छात्रों को रेड क्रॉस के बारे में जानकारी दी गई। माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्रीध् रेड क्रॉस काउंसलर आलोक तिवारी ने बताया कि रेड क्रॉस संस्था मानव सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहती है।युद्ध में घायल सैनिकों की सेवा आपदा में पीड़ित लोगों की सेवा में अग्रणी है। माध्यमिक विद्यालयों में भी रेड क्रॉस विभाग की स्थापना की गई है।जिसमें समय–समय पर छात्र–छात्राओं को प्रशिक्षित किया जाता है।जिससे वह समाज में सेवा कर सके कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष अनूप पांडे, सत्य प्रकाश, हसन अब्बास डॉक्टर रंजीत वर्मा विनोद मिश्रा मौजूद रहे।

सीओ सदर कार्यालय का हुआ लोकार्पण

अयोध्या। शुक्रवार को एसएसपी डाक्टर गौरव ग्रोवर ने पुलिस लाइन स्थित सीओ सदर कार्यालय का फीता काटकर जीर्णोद्धार लोकार्पण किया।इस मौके पर एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी एसपी ट्रैफिक एपी सिंह,सीओ अरविंद सोनकर, एएसपी शुभम जैन, सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी, सीओ लाइन विकास राय सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

शादी का झांसा देकर किशोरी से दुष्कर्म मामलें में आरोपी को महिला पुलिस ने किया गिरफ्तार

अयोध्या।महिला थाना पुलिस ने एक किशोरी को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म और मारपीट के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने पकड़े गए आरोपी का चालान किया है।प्रकरण में रिपोर्ट पीड़ित की ओर से एसएसपी से शिकायत के बाद दर्ज की गई थी।इस संबंध मे महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने बताया कि मामले की जांच महिला थाना की ओर से की जा रही थी।24 अप्रैल को दर्ज इस मामले में पीड़िता का आरोप था कि निखिल सोनकर निववासी मोहल्ला कैथाना टेढी बाजार थाना रामजन्मभूमि के साथ आठ लोगों ने उससे मारपीट की और गाली गलौज दी तथा धमकी दी।मामला किशोरी से जुड़ा होने के कारण पॉक्सो एक्ट की धारा भी लगाई गई थी।महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला की पुलिस टीम ने मुख्य आरोपी निखिल उर्फ निखिल सोनकर 20 वर्ष निवासी मोहल्ला कैथाना टेढी बाजार थाना रामजन्मभूमि को महादेवन मंदिर टेढ़ी बाजार रामपथ अयोध्या से गिरफ्तार किया है।

'जिला उन्नाव में विनोद गौतम के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने आजाद समाज पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया'

उन्नाव । ग्राम सभा बल्लपुरवा ग्राम चीते पुरवा में आजाद समाज पार्टी काशीराम फ्रंटल कमेटी जनपद उन्नाव की तरफ से सदस्यता अभियान चलाया गया मुख्य अतिथि विनोद गौतम लखनऊ मंडल प्रभारी मौजूद रहे जनपद उन्नाव के तमाम कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे कार्यक्रम के आयोजक नरेश गौतम जिला संयोजक जनपद उन्नाव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ इस सदस्यता अभियान कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने आजाद समाज पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया और अन्य दलों को छोड़कर के मजबूती से चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व मे दामन थामा कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि के रूप में विनोद गौतम लखनऊ मंडल प्रभारी ने कहा कि अगर व्यवस्था को परिवर्तन करना है तो आपको सत्ता की जरूरत है अगर आप समाज में बदलाव चाहते हैं तो आपको आजाद समाज पार्टी की सरकार बनानी है और आजाद समाज पार्टी कांशीराम के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनना है भारतीय जनता पार्टी की सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है किसान कमेरा समाज की समस्या सामाधान नहीं हो पा रही है। युवा बेरोजगार घूम रहा है सरकार से दुःखी हो कर आत्म हत्या के लिए मजबूर है। अल्प संख्यक समाज का उत्पीड़न धर्म के नाम पर हो रहा है। इस मौके पर सैकडो की संख्या में कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे हैं।

भेलसर से रेछघाट पुल तक सड़क चौड़ीकरण का कार्य शुरू

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। जिले के रुदौली क्षेत्र में भेलसर से रेछघाट पुल तक सड़क चौड़ीकरण का कार्य शुरू हो गया है। लोक निर्माण विभाग की धर्मार्थ कार्य योजना के तहत यह परियोजना क्रियान्वित की जा रही है।विभागीय टीम ने सड़क की पैमाइश कर अतिक्रमण वाले स्थानों पर लाल निशान लगाने शुरू कर दिए हैं,जिससे अवैध कब्जा धारियों में हलचल है।इस परियोजना के तहत 22.50 किलोमीटर लंबी सड़क का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। इसकी अनुमानित लागत 58.65 करोड़ रुपये है। यह सड़क 10 मीटर चौड़ी की जाएगी,जिससे रुदौली नगर को भीषण जाम से मुक्ति मिलेगी।विभाग ने स्पष्ट किया है कि सड़क की सीमा में आने वाले 13 मीटर तक के सभी अवैध निर्माण हटाए जाएंगे।अतिक्रमण कारियों को चेतावनी दी गई है कि यदि उन्होंने स्वयं कब्जा नहीं हटाया, तो विभाग बुलडोजर चलाकर कार्रवाई करेगा और संबंधित खर्च की वसूली भी की जाएगी।यह मार्ग गोमती नदी पर बने रेछघाट पुल के माध्यम से विभिन्न धार्मिक और पर्यटन स्थलों को जोड़ेगा।इससे स्थानीय ग्रामीणों और श्रद्धालुओं का आवागमन सुगम और सुरक्षित हो सकेगा।

दर्शन नगर-अम्बेडकर नगर ओवर ब्रिज पर ब्रेकर न होने से दुर्घटना की आशंका

अयोध्या। क्षेत्र के दर्शन नगर चौराहे के पास फैजाबाद से अकबरपुर जाने वाली रोड पर बने ओवरब्रिज पर ब्रेकर न होने के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ओवरब्रिज पर वाहनों की रफ्तार काफी तेज रहती है, लेकिन सड़क पर कहीं भी ब्रेकर या गति नियंत्रित करने की व्यवस्था नहीं की गई है।ब्रेकर न होने के कारण वाहन चालक तेज गति से गुजरते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना लगातार बनी रहती है। कई बार छोटे–बड़े हादसे भी हो चुके हैं, जिससे क्षेत्र के लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है।इस संबंध मेस्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि ओवरब्रिज पर जल्द से जल्द ब्रेकर, संकेतक बोर्ड एवं अन्य सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके और लोगों की जान सुरक्षित रह सके।स्थानीय लोगो ने प्रशासन से मांग किया कि हाईवे पर जहां–जहां बाजार क्षेत्र पड़ते हैं, वहां ब्रेकर बनाया जाना बेहद जरूरी है, ताकि वाहन नियंत्रित गति में चलें और हादसों को रोका जा सके।

टाइनी टॉट्स स्कूल में मातृ दिवस समारोह का हुआ आयोजन

अयोध्या। शुक्रवार टाइनी टॉट्स स्कूल में 8ध्05/26 को मातृ दिवस के अवसर पर एक रोचक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि ज्योति सिंह रहीं।विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया।बच्चों एवं माताओं के उत्साह ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विद्यालय की प्रधानाचार्या मुक्ति श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया।इसके पश्चात नन्हे–मुन्ने बच्चों ने माँ के प्रति प्रेम एवं सम्मान व्यक्त करते हुए रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। बच्चों द्वारा प्रस्तुत गीत एवं नृत्य ने अभिभावकों का मन मोह लिया । मुख्य अतिथि ज्योति सिंह ने सभी माताओं को स्वयं को स्वस्थ रखने की विधि,विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान तथा आज की इस व्यस्त दिनचर्या में खुद को फिट रखने के अनेक रोचक तरीके बताए।साथ ही फिटनेस गुरू अनुकांक्षा मैम ने फिटनेस के विशेष उपयोगी सुझाव दिए।कार्यक्रम में माताओं के लिए रैम्प वॉक एवं विभिन्न मनोरंजक खेल एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया,जिसमें सभी माताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेताओं को विद्यालय की ओर से सम्मानित भी किया गया।स्कूल की निर्देशिका बिन्नी सिंह ने सभी माताओं को मातृ दिवस के इस विशेष अवसर की शुभकामनाएँ दी।स्कूल की प्रधानाचार्या मुक्ति श्रीवास्तव ने सभी माताओं को मातृ दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि माँ का प्रेम, त्याग और समर्पण जीवन की सबसे अनमोल निधि है।अंत में सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

एमएमडीपी किट का हुआ वितरण

अयोध्या। शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैरिंग्टनगंज में आशा बहुओं की की क्लस्टर बैठक का आयोजन किया गया।इस मौके पर जिसमें जिला मलेरिया अधिकारी,मंजुला आनंद ने राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम लिंफोडीमा(फाइलेरिया) रोगियों को संवेदीकृत करते हुए एमएमडीपी किट का वितरण डॉ रवींद्र शुक्ला अधीक्षक की उपस्थिति में हुआ।इसी के साथ डेंगू, मलेरिया एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु समस्त आशाओं को संवेदीकृत किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ प्रयोगशाला प्राविधिज्ञ के द्वारा समस्त आशाओं को मलेरिया की जांच किट द्वारा प्रशिक्षित किया गया है।इस अवसर पर राजेश कुमार, विवेक कुमार चौधरी मलेरिया इंस्पेक्टर अयोध्या, बीपीएम पवन कुमार, पीसीआई प्रतिनिधि मोहम्मद नासिर एवं अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

चित्रगुप्त महाआरती एवं खिचड़ी भोज सम्पन्न

अयोध्या। श्री चित्र गुप्त मंदिर हैदरगंज पर चित्रगुप्त भगवान की महा आरती का आयोजन किया गया।इस मौके पर चित्रांश सेवा ट्रस्ट अयोध्या के द्वारा मंदिर परिसर में खिचड़ी भोज का वितरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।मुख्य अतिथि विनोद प्रमुख श्री राम जन्मभूमि राम निवास रहे। कार्यक्रम में डॉ गौरव श्रीवास्तव मनोचिकित्सक ,पंकज अस्थाना, के सी श्रीवास्तव, वीरेंद्र कुमार, अनिल श्रीवास्तव, जय प्रकाश रावत,रमेश चंद्र श्रीवास्तव ,सुरेश चंद्र, शैलेश कुमार,विजय ,अरुण श्रीवास्तव,जय प्रकाश ,देश दीपक,प्रदीप शंकर, अमरेश सिन्हा,दिनेश , रविंद्र श्रीवास्तव, जगदीश यादव एवं नंदिनी श्रीवास्तव, मधु श्रीवास्तव सहित कई चित्रांश मौजूद रहे।

डीएम ने जिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण,मिली खामियों को दूर करने के दिये निर्देश

अयोध्या।शुक्रवार को डीएम शशांक त्रिपाठी ने सीडीओ केके सिंह के साथ जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्हें कुछ कमियां भी नजर आई।जिसे शीघ्र से शीघ्र दूर करने का निर्देश सीएमओ डॉ देवेंद्र भिटौरिया तथा सीएमएस को दिया।निरीक्षण के दौरान उनको जिला चिकित्सालय में जहां एक तरफ अधिकतर भवन जर्जर अवस्था मे मिली और जिला अस्पताल भी वर्तमान समय की अपेक्षा अब छोटा पड़ रहा है।इसको लेकर उन्होंने नए जिला अस्पताल के निर्माण के लिए प्रस्ताव शासन को भेजने की बात कही।जिसके लिए इसके लिए शीघ्र ही पैरवी की जाएगी।जिला अस्पताल का निरीक्षण के दौरान उन्हें पुराने सीएमओ ऑफिस और पीछे स्थित जर्जर भवन मिला।जिसे तोड़कर नई पांच मंजिला बिल्डिंग बनाने का प्रस्ताव भी शासन को भेजा गया है।वही मौजूदा जिला अस्पताल की बिल्डिंग काफी पुरानी हो चुकी है,इसलिए नई तथा अत्यधिक सुविधा वाली इमारत की जरूरत है।जिससे कि यहां पर दूर दराज से इलाज करने आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां पर मौजूद अधिकारियों को आरडीसी के पास बनी पुरानी पानी की टंकी को लेकर डीएम ने जल निगम अधिकारियों को सर्वे कराने के निर्देश दिए।इस मौके पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यदि यह टंकी मरम्मत से ठीक हो जाती है तो ठीक है अन्यथा नया प्रोजेक्ट लगाने के लिए प्रस्ताव भेजा जाए। कहीं वार्डो तथा चिकित्सकों के कक्षों निरीक्षण के दौरान डीएम अस्पताल की व्यवस्थाओं से संतुष्ट नजर आए।इस मौके पर उन्हे कई वार्डों में कूलर लगे मिले और मरीजों ने भी संतोष जताया।जबकि ओपीडी काउंटर पर इस भीषण गर्मी मे कूलर न होने पर इसे गंभीरता से लेते हुए वहां पर शीघ्र से शीघ्र कूलर की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ब्लड बैंक में लगातार पिछले दिनों हो रही भ्रष्टाचार से अवगत कराया जिसे गंभीरता से लेने की बात उन्होंने कही।निरीक्षण के बाद डीएम श्री त्रिपाठी ने बताया कि इस अस्पताल मे जर्जर बिल्डिंग,जगह की कमी सहित अन्य कई प्रमुख समस्या है। जिसे शीघ्र ही दूर करने के निर्देश सीएमओ तथा सीएमएस को दिए गए हैं। बताया कि यहां पर आने वाले मरीजों को किसी तरह की परेशानी ना हो इसका भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है और नए जिला अस्पताल को खोलने के लिए श्री कृष्णा शासन को भी प्रस्ताव भेजा गया है।निरीक्षण के दौरान सीडीओ कृष्ण कुमार सिंह और सीएमओ डॉ. देवेंद्र भिटौरिया भी मौजूद रहे।

गोसाईगंज नगर पंचायत में जनगणना की चेयरमैन डॉ. विजय लक्ष्मी जायसवाल ने किया स्वगणना का शुभारंभ

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। गोसाईंगंज नगर पंचायत में जनगणना 2027 के अंतर्गत स्व–गणना अभियान का शुभारंभ किया गया।इस अवसर पर नगर की प्रथम महिला एवं प्रथम नागरिक चेयरमैन डॉ0 विजय लक्ष्मी जायसवाल ने स्वयं स्व–गणना कर अभियान की शुरुआत की।डॉ. जायसवाल ने आम जनमानस से अपील करते हुए कहा कि सभी नागरिक स्वयं आगे आकर स्व–गणना में भाग लें और देश के इस महत्वपूर्ण कार्य में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि जनगणना देश की योजनाओं और विकास की नींव होती है।इसलिए प्रत्येक नागरिक की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है।ईओ सीमा राय ने बताया कि 7 मई से 21मई तक स्व–गणना अभियान चलेगा।जिसके तहत आप खुद ही आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर स्वयं अपनी स्व–गणना कर सकते हैं।इसमें 34 विन्दुओ के सवाल पूछे जाएंगे, जिसे क्रमवार भर कर सबमिट करना है।जिसके बाद आईडी जनरेट हो जाएगी।इसे सुरक्षित रखे,बाद में इसी से बेरीफाई की जाएगी।कार्यक्रम में जनपद से आये फील्ड ट्रेनर अरुणकुमार शुक्ला व सौरभ कुमार ने लोगो को मोबाइल पर डेमो दिखाकर प्रशिक्षण भी दिया।बताया कि अभी प्रथम फेज में मकानों का सूचीकरण व मकानों की गिनती होनी है।कार्यक्रम के दौरान समस्त पर्यवेक्षक, सभी वार्डों के प्रगणक, नगर पंचायत कर्मी तथा सभी सभासद गण उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी में शुरू होते ही दुकानों पर सज गए मिट्टी से निर्मित देसी फ्रिज

अयोध्या। भीषण गर्मी से निजात पाने के लिए शहर वासी जहां एक तरफ ठंडे पेयजल का सेवन करने के लिए फ्रिज का उपयोग कर रहे हैं वही देसी फ्रिज जिसे हम सुराही या मटके,घड़े के नाम से जानते हैं।उसका भी उपयोग शहर वासी काफी मात्रा में करते हुए दिखाई दे रहे हैं।हो भी क्यों ना इसका उपयोग करने वाले शहर वासियों के साथ–साथ चिकित्सकों का भी मानना है कि वास्तव में इसमें रखें पानी की जो गुणवत्ता तथा ठंडापन रहता है।वह फ्रिज में रखें प्लास्टिक तथा शीशे की बोतलों में नहीं। देखा जाए गर्मी में भारी संख्या में देसी फ्रिज यानी की सुराही,मटका घड़े आदि का उपयोग बहुत ही अधिक संख्या में शहर के लोग कर रहे हैं।जिसके चलते शहर के विभिन्न मोहल्लो तथा प्रमुख चौराहों पर स्थित दुकानों पर मटके तथा सुराही सजी हुई देखी जा सकती है।शहर के रिकाबगंज चौराहा, लालबाग मोहल्ला, बछड़ा सुलतानपुर, वजीरगंज, जप्ती, देवकाली तिराहा, साहबगंज सहित कई ऐसे प्रमुख चौराहे तथा मोहल्ले पर भारी संख्या में रंग–बिरंगे सुराही, घड़े तथा मटके सजे दिखाई दिये।जिसे लेने के लिए इन दुकानों पर भारी ग्राहकों की भीड़ दिखाई दी।वही कुछ सुराही व घडे मे टोटी आदि भी लगी होने के चलते दामों में भी काफी बढ़ोतरी रही।इस संबंध में दुकानदारों ने बताया कि क्वालिटी तथा रंगरोगन के हिसाब से उनके यहां सुराही,घड़े व मटके सही दामों पर उपलब्ध हैं।

गर्मी के मौसम मे लोगो को नहीं मिल पा रही पर्याप्त जलापूर्ति, मामले की शिकायत हुई जिला प्रशासन से

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिले के गोसाईगंज कस्बा अंतर्गत वार्ड नं0–10 के अंसार नगर मोहल्ला स्थित डॉ0 बनारसी गली मे जलकल विभाग द्वारा बिछाई गई पतली पाइप लाइन मोहल्ले वासियो के लिए समस्या पैदा करती जा रही है। जिसके कारण जलापूर्ति के समय लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिल पा रहा है।जिसकी लिखित शिकायत वार्ड निवासी इकबाल हुसैन,इरफान अहमद,अहमद हसन,इरशाद अहमद,मो0 आलम,रेशमा खातून,परवेज अहमद,मो0 इस्माइल,मुनीमा परवीन, अशफाक हुसैन,दीपचंद,निसार अहमद सहित अन्य ने पंचायत प्रशासन को पत्र देकर की है।वरिष्ठ कांग्रेसी नेता इकबाल अहमद ने पत्रकारों को बताया कि पंचायत प्रशासन द्वारा मोहल्ले मे पतली पाइप लाइन बिछाई गई है।जलापूर्ति के समय लोगो को पर्याप्त मात्रा में पानी न मिलने के कारण उनकी दिनचर्या प्रभावित हो रही है।मामले की गंभीरता को देख शुक्रवार को सभासद प्रतिनिधि ने वार्ड सभासद के साथ अधिशासी अधिकारी सीमा राय से मुलाकात किया तथा जल्द से जल्द इसके निदान की मांग की!इस दौरान ईओ ने दोनों सभासदों को आश्वस्त किया कि वे जल्द ही मामले को दिखवाती है।

वाहनों की धुलाई पर खर्च हो रहा प्रतिदिन हजारों लीटर पानी,पानी के लिए तरस रहे लोग

अयोध्या। प्रचण्ड गर्मी में शहर के लोग पानी के लिए तरस रहे हैं।वही शहर के कई जगहों पर खुले सर्विस सेंटरों पर छोटे बड़े वाहनों की धुलाई मे हजारों लीटर पानी खर्च हो रहा है।देखा जाये तो इस समय रामपथ मार्ग, वजीरगंज, हैदरगंज, मुकेरी टोला, राठहवेली, साहबगंज,बेनीगंज, देवकाली, अंजनी पुरम, कॉलोनी अश्विनीपुरम, सरस्वती पुरम, सहित ऐसे जगहों पर इस प्रचंड गर्मी में चाहे पाइप के टूटने से या किसी अन्य कारणों से जलापूर्ति नहीं हो पा रही है।जिसके चलते यहां पर रहने वाले लोगों को पानी के लिए गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है।शहर के कई ऐसे ब्लाकों मुहल्ले व कालोनियां है जहां पर लोग इस भीषण गर्मी में पानी के लिए तरस रहे हैं।अगर देखा जाए तो शहर में गाड़ी धोने के लिए दर्जनों ऐसे सर्विस सेंटर संचालित है जहां पर कई छोटे बड़े वाहनों की धुलाई होती है।नाम न छापने की शर्त पर सर्विस सेंटर पर चार पहिया वाहनों की धुलाई करने वाले ने बताया कि एक एसयूवी वाहन मे धुलाई करने में लगभग पचास लीटर पानी व्यय होता है।वही बाइक आदि में बीस लीटर तक पानी व्यय होता है।इस तरह एक दिन में एक शहर के सभी सर्विस सेंटर जहां पर वाहनों की धुलाई होती है उन जगहों पर हजारों लीटर पानी इन वाहनों के धुलाई में खर्च हो जातीं हैं।वही इस गर्मी में लोग पानी के एक एक बूंद के लिए तरस रहे है।जिनके मकानों के सामने से रामपथ मार्ग गुजरा है या फिर सीवर लाइन पाइप बिछाने के नाम पर जल निगम की पाइप टूटी हुई है।जिसके चलते जलापूर्ति काफी दिनों से ठप्प है।जिसकी अब तक मरम्मत नहीं हो सकी है।बताया कि जब वे इस समस्या पर संबंधित विभाग के कर्मी चुप्पी साधे है।वही इस गर्मी में पोखरें, तालाब आदि भी सूख रहे हैं। परन्तु वाहनों के धुलाई के नाम पर प्रतिदिन हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है।इस पर अंकुश नहीं लग पा रहा है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।